

कवि अरुण कमल को मल्लिगा 'नरिला स्मृतिसम्मान'

चर्चा में क्यों?

19 सितंबर 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार इस वर्ष का 'नरिला स्मृतिसम्मान' समकालीन कविता के कवि अरुण कमल को दिये जाने की घोषणा की गई है।

प्रमुख बदि

- कवि अरुण कमल को यह सम्मान छायावादी महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'नरिला' की पुण्यतिथि पर 15 अक्टूबर को नरिला स्मृति आयोजन के दौरान दिया जाएगा।
- यह सम्मान महाकवि नरिला की चेतना, विचारधारा और उनकी रचनात्मक परंपरा से जुड़ने वाले रचनाकार को दिया जाता है।
- नरिला के नमित्तित संस्था के अध्यक्ष व महाकवि नरिला के प्रपौत्र वविक नरिला ने बताया कि इससे पूर्व यह सम्मान कविराजेश जोशी और कथाकार चतिरा मुद्गल को प्रदान किया जा चुका है।
- उल्लेखनीय है कि सूर्यकांत त्रिपाठी 'नरिला' (21 फरवरी, 1896 - 15 अक्टूबर, 1961) हिन्दी कविता के छायावादी युग के प्रमुख स्तंभों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने कई कहानियाँ, उपन्यास और नबिंध भी लिखे हैं कति उनकी ख्याति विशेषरुप से कविता के कारण ही है।
- 1920 ई के आसपास उन्होंने अपना लेखन कार्य शुरू किया था। उनकी पहली रचना जन्म भूमि पर लिखा गया एक गीत था। 1916 ई. में उनके द्वारा लिखी गई 'जूही की कली' 1922 ई. में प्रकाशित हुई थी, जो बहुत ही लंबे समय तक का प्रसिद्धि रही।
- उनके कुछ प्रमुख काव्य संग्रह जैसे अनामिका (1923), परमिल (1930), तुलसीदास (1939), कुकुरमुत्ता (1942), गीत कुंज (1954) इत्यादि हैं।



